केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 69 रविवार 28 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

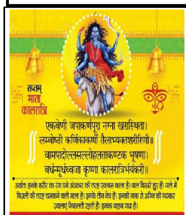

आस्था के नाम पर आगजनी बर्दाश्त नहीं- योगी

श्रावस्ती (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली में बवाल करने वालों को एक बार फिर कड़ी चेतावनी दी है। श्रावस्ती में आयोजित एक जनसभा में शनिवार को सीएम योगी ने कहा कि हमने हर समुदाय, हर जाति के कल्याण के लिए काम किया। अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति सभी को सम्मान दिया। सबका साथ, सबका विकास हमारा मंत्र है। इसके बाद भी कुछ लोगों को विकास अच्छा नहीं लगता। वे तालिबानी व्यवस्था और दारुल इस्लाम में विश्वास करते हैं। मैं उन्हें कहता हूं, ऐसी व्यवस्था जन्नत में भी पूरी नहीं होगी, इसके लिए पहले जहन्नुम जाना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि आस्था के नाम पर तोड़फोड़, आगजनी और निर्दोष लोगों पर हमले करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो उनकी कई पीढ़ियों के लिए नजीर बन जाएगा। सीएम योगी नवरात्र के समय बरेली में बवाल और कई जिलों में आई लव मोहम्मद को लेकर निकाले जा रहे जुलूस को लेकर बेहद खफा नजर आए।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। यह सबका साथ और विकास जानता है, लेकिन उपद्रवियों और माफियाओं से सख्ती से निपटना भी जानता है। कुछ लोगों को शांति और कल्याण अच्छा नहीं लगता। हिंदू त्योहारों पर उन्हें गर्मी चढ़ती है, लेकिन हम डेंटिंग–पेंटिंग से उनकी गर्मी शांत करना जानते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि अराजकता स्वीकार्य नहीं है। अगर किसी ने सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया, निर्दोष नागरिकों पर हमला किया, बेटियों की सुरक्षा को खतरा पहुंचाया या व्यापारियों के प्रतिष्ठानों में आगजनी की कोशिश की तो ऐसी कार्रवाई करेंगे कि उनकी कई पीढ़ियां याद रखेंगी। उन्होंने त्योहारों के दौरान माहौल खराब करने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि त्योहार उत्साह और एकता का समय है।

एक नजर

ज्ञान-विज्ञान मेला, संस्कृति महोत्सव शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग में तीन दिवसीय प्रांतीय वैदिक गणित, ज्ञान–विज्ञान मेला एवं संस्कृति महोत्सव का शुभारंभ हुआ। अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि अनुशासन ही सफलता का मार्ग है और बाधाओं से नहीं डरना चाहिए। यह महोत्सव 28 सितंबर तक चलेगा, जिसमें 10 जिलों के लगभग 40 विद्यालयों से 550 छात्र–छात्राएं और 120 आचार्य–आचार्याएं भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अतिथियों का सम्मान किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया 130 पोल पर स्ट्रीट लाइट का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा के साथ कम्पनी बाग से रोडवेज तक 130 पोल पर स्ट्रीट लाइट का उद्घाटन किया। नेहा वर्मा ने कहा कि नवरात्रि पर्व को देखते हुये देवी भक्तों की सुविधा के लिये नगर पालिका द्वारा अनेक पहल किया गया है। पालिका क्षेत्र और देवी प्रतिमाओं के निकट पाण्डालों में साफ सफाई का विशेष प्रबन्ध किया गया है। 130 पोल पर स्ट्रीट लाइट से शहर जगमग होगा और देवी भक्तों को पर्याप्त रोशनी मिलेगी।

स्ट्रीट लाइट के उदघाटन अवसर पर मुख्य रूप से सभासद सोनू पाण्डेय,राम स्नेही यादव, सर्वेश यादव विक्की, रमेश गुप्ता, इद्रीस, दिनेश गुप्ता, विकास सिंह, नगर अध्यक्ष किसान मोर्चा, राजन गुप्ता, विवेक गुप्ता, दुर्गेश त्रिपाठी के साथ ही अनेक सभासद, नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कुर्मी महासभा के पांचवीं बार जिलाध्यक्ष बने डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय कुर्मी महासभा की बैठक शनिवार को प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन के मजबूती पर चर्चा के साथ ही चुनाव अधिकारी महासंघ के मण्डल अध्यक्ष मस्तराम वर्मा की देख रेख में सर्व सम्मत से पदाधिकारियो की घोषणा की गई। डा. वी.के. वर्मा पांचवीं बार महासंघ के अध्यक्ष घोषित किये गये।

इसी कड़ी में ई. रघुनाथ पटेल संरक्षक, अशोक चौधरी, प्रमोद चौधरी जिला उपाध्यक्ष, ई. के.सी. चौधरी महासचिव, शिवकुमार चौधरी , रमेश चन्द्र वर्मा सचिव, राम दयाल चौधरी, विकास सचिव संयुक्त सचिव, अशोक वर्मा कोषाध्यक्ष, मायाराम चौधरी, श्याम नरायन चौधरी, संगठन सचिव, विद्या सागर चौधरी, प्रचार प्रसार, एम.आर. चौधरी, इन्द्रजीत चौधरी मीडिया प्रभारी, घनश्याम चौधरी लेखाकार, एडवोकेट कल्याण चौधरी विधिक सलाहकार, आज्ञाराम चौधरी, मदन मोहन चौधरी, कार्य समिति सदस्य बनाये गये। इसके साथ ही सचिन चौधरी को सल्टौआ का ब्लाक अध्यक्ष बनाया गया। सह चुनाव अधिकारी बद्री प्रसाद चौधरी ने पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाया। बैठक में मुख्य रूप से संगठन के प्रदेश सचिव आरके सिंह पटेल, अरविन्द चौधरी, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

टेट के सवाल पर विकास खण्डों में जारी है हस्ताक्षर अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । टेट की अनिवार्यता को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद शिक्षकों का आन्दोलन चरणबद्ध ढंग से शनिवार को सभी विकास खण्डों में भी जारी रहा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही 24 दिवसीय राष्ट्र व्यापी आन्दोलन में क्षेत्रीय अध्यक्ष, मंत्री और पदाधिकारी प्रतिदिन एक–एक न्याय पंचायत के शिक्षकों का हस्ताक्षर करा रहे हैं। हस्ताक्षरित ज्ञापन ई मेल आई.डी. के माध्यम से राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश और बेसिक शिक्षा मंत्री को भेजा जा रहा है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि दुबौलिया में जिला उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, ब्लाक अध्यक्ष रामपाल चौधरी, मंत्री त्रिलोकीनाथ, संरक्षक सुशीला त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार, वाजिद अली, शिव कुमार पाठक के संयोजन में 32, गौर में जिला उपाध्यक्ष व ब्लाक मंत्री मंत्री विनोद यादव, देवनाथ, मनु प्रकाश श्रीवास्तव, राजेश गौतम, लालजी पाल, आलोक कन्नौजिया, मनमोहन, पवन कुमार, हेमन्त पटेल, राजेश कुमार, अनीता देवी, सावित्री, चन्द्रावती के नेतृत्व में 42, कुदरहा में ब्लाक अध्यक्ष चन्द्रभान चौरसिया, भैयाराम राव, सुभाष, राम नरायन चौधरी, अभिषेक दबे, राम सिंह राव, अजय प्रताप चौधरी, जय प्रकाश यादव, पवन शर्मा, रविन्द्र प्रताप पाल, गुलाब चन्द्र चौधरी के नेतृत्व में 12, नगर क्षेत्र में आनन्द सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों के हस्ताक्षर कराये गये। शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं। हस्ताक्षर अभियान 15 अक्टूबर तक जारी रहेगा, संघ पदाधिकारी विद्यालयों में जाकर हस्ताक्षर करा रहे हैं।

सोनम वांगचुक के पाकिस्तान संबंधों की जांच में जुटा तंत्र

लेह (आभा)। लद्दाख के पुलिस महानिदेशक एस.डी. सिंह जामवाल ने शनिवार को कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के विरोध–प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेजने वाले एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की पिछले माह हुई गिरफ्तारी के संदर्भ में, पुलिस वांगचुक के पाकिस्तान से कथित संबंधों की जांच कर रही है। जामवाल ने सोनम वांगचुक को बुधवार को हुई हिंसा का जिम्मेदार बताया। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। वांगचुक को शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लेकर

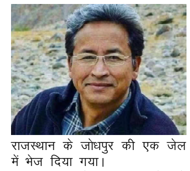

राजस्थान के जोधपुर की एक जेल में भेज दिया गया।

जामवाल ने संवाददाताओं को बताया, ''जांच (वांगचुक के खिलाफ) में क्या पाया गया है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। प्रक्रिया जारी है। अगर आप उनका यूट्यूब पर उपलब्ध प्रोफाइल और इतिहास देखें, तो उनके भाषण लोगों को उकसाने वाले प्रतीत होते हैं, क्योंकि उन्होंने अरब क्रांति और नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में हाल की अशांति का जिक्र किया था।''

उन्होंने कहा, ''उनका (वांगचुक का) अपना एक एजेंडा था। उनके खिलाफ विदेशी चंदा और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन की जांच जारी है। एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट हमारी हिरासत में है, जो वांगचुक के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेज रहा था।''

देल्ही स्कूल आफ एक्सीलेंन्स में मिशन शक्ति कार्यक्रम :आईजी, डीएम, एसपी ने बढाया बेटियों का हौसला, दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को देल्ही स्कूल आफ एक्सीलेंन्स में मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी ने कहा कि देश में महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार सक्रिय है। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, सम्मान और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए हम सबको अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुये अनेक सुझाव दिये।

जिलाधिकारी बस्ती रवीश गुप्ता ने कहा कि यह अभियान नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के मिशन शक्ति के मूल उद्देश्यों को साकार कर रहा है, जिसका लक्ष्य महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में सशक्त बनाना है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने कहा कि मिशन शक्ति महिलाओं को सुरक्षित और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में काम कर रहा है, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक संरचना को भी मजबूती दे रहा है।

मिशन शक्ति फेज–5.0 अभियान के अंतर्गत महिला थाना अध्यक्ष शालिनी सिंह ने छात्राओं को सुरक्षा के सम्बन्धा में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुये कहा कि बेटियां निर्भय बनें।

कार्यम में शहर कोतवाल दिनेश चौधरी , पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष महेश सिंह आदि ने सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर जैसे वूमेन पावर लाइन 1090 महिला हेल्पलाइन 181 पुलिस आपातकालीन सेवा 112 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में उपस्थित छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को विस्तृत रूप से जानकारी दी गई तथा थाना स्थानीय का पुरानी बस्ती थानें के सीयूजी नंबर 9454403121 भी प्रदान किया गया इन नंबरों के उपयोग और उनकी उपयोगिता पर जोर दिया गया ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त की जा सके और महिलाओं से संबंधित हो रहे विभिन्न अपराधों के विरुद्ध आवाज उठाने हेतु आग्रह किया गया। छात्रों को महिला सशक्तिकरण से संबंधित शक्ति मिशन पम्पलेट भी वितरित किया गया छात्राओ को भरोसा दिलाया गया कि पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रबंधक जे.पी. सिंह, प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत करते हुये शक्ति की प्रतीक मां दुर्गा की प्रतिमा भेंट किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से शशि मिश्रा , अर्पिता , खुशी , अंशू , अनिका , ऐश्वर्या , स्मिता , आशी , अनुशी , अंकिता , स्वाति सिंह , पूजा , वेद प्रकश सिंह, भूपेन्द्र त्रिपाठी, शिवेन्द्र त्रिपाठी, अंगद चौरसिया, अनूप पाण्डेय, वंदना , हर्षिता , सुचिता सिंह , मीनू सहित तमाम छात्र छात्राएं मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन दिव्या त्रिपाठी ने किया।

विचार गोष्ठी में राजनीतिक, सामाजिक एकजुटता पर जोर:युवाओं से रचनात्मक पहल का आवाहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी के नेतृत्व में सामाजिक बैठक एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का उद्देश्य समाज को एकजुट करना, सामाजिक जागरूकता बढ़ाना एवं राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर समाज के बीच संवाद स्थापित करना रहा।

कप्तानगंज चौराहे के निकट स्थित तारा मैरिज हॉल में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य अशोक सविता ने कहा कि जब तक समाज संगठित नहीं होगा, तब तक किसी भी प्रकार के हक और अधिकार की प्राप्ति संभव नहीं है। उन्होंने सामाजिक एकता को ही राजनीतिक सशक्तिकरण की नींव बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे आगे आकर समाज की दिशा और दशा को बदलने में योगदान दें।

विशिष्ट अतिथि जन कल्याण संघर्ष मोर्चा भारत प्रमुख अध्यक्ष श्याम बिहारी ठाकुर, राष्ट्रीय नाई महासभा प्रदेश सचिव ई. संजय शर्मा,भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन, सुभासपा अयोध्या जिलाध्यक्ष डॉ0 जे.पी. सेना, बहुजन मुक्ति पार्टी मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम ने कहा कि समाज के पिछड़े, वंचित एवं शोषित वर्गों की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए राजनीति में भागीदारी को आवश्यक बताया। वक्ताओं ने कहा कि जब तक समाज का हर वर्ग सत्ता में अपनी भागीदारी नहीं सुनिश्चित करेगा, तब तक उसके अधिकारों की रक्षा संभव नहीं है।

संगोष्ठी संयोजक पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने कहा कि समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने युवाओं, प्रबुद्ध जनों का आवाहन किया कि वे एक मंच पर आकर समाज की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करें। उन्होंने समाज के राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम के नेतृत्व करता पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने समाज के राजनीति के में हिस्सेदारी पर चर्चा किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओंकार शर्मा, उमाशंकर शर्मा, रवि शर्मा, मोहित ठाकुर, मनीष ठाकुर, सनी कुमार शर्मा, जामवंत ठाकुर, अजय कुमार, अमित कुमार शर्मा, विपिन कुमार शर्मा, रामवृक्ष, अमन शर्मा, मनोज शर्मा, प्रदीप ठाकुर, रामबरन शर्मा, दिलीप कुमार, संजय प्रसाद, राम रक्षा शर्मा, अभिषेक कुमार शर्मा, रामनरेश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

सपा के पीडीए महापंचायत में निशाने पर रही भाजपा:कारोबार, रोजगार दोनों खतरे में, नफरत की राजनीति करती है भाजपा- राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी द्वारा शनिवार को मालवीय रोड स्थित बादशाह मैरेज हाल के सभागार में पीडीए महापंचायत में पार्टी नेताओं ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव और संचालन मुजीबुर्रहमान और संयोजन रामभवन शर्मा ने किया।

-भाजपा सरकार में पीडीए वर्ग के साथ हो रहा है अन्याय- राम अचल राजभर

सांसद और महापंचायत के मुख्य अतिथि राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि जहां कहीं भी अन्याय हो रहा है, सपा प्रतिनिधि मंडल वहां पहुंचकर पीड़ितों की आवाज उठाता है। भाजपा जनता की समस्याओं से पूरी तरह अनभिज्ञ है, जिसके चलते शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है और कारोबार तथा रोजगार दोनों को नुकसान पहुंचा रही है, जिससे जनता अब बदलाव चाहती है और 2027 में सत्ता परिवर्तन के लिए तैयार है। उन्होने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे सपा के संदेश को जनता तक ले जाय और बूथ स्तर पर मतदाता सूचियों की समीक्षा कर ले। कहा कि भाजपा ने पहले तो जीएसटी के नाम पर मनमानी वसूली कर गरीब जनता की कमर तोड़ दिया और अब उसे कम करने का प्रचार किया जा रहा है। कहा कि समाजवादी वोट चोरी के मामलों में सर्तक रहे।

मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री राम अचल राजभर ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगातार पीडीए पंचायतें आयोजित की जा रही हैं ताकि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज को एकजुट कर 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सके। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि पीडीए वर्ग के साथ अन्याय और शोषण हो रहा है।

जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पीडीए वर्ग के अधिकार और अवसर छीन रही है। भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है और किसान, मजदूर तथा नौजवान लगातार परेशान हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई ने आम जनता का जीवन मुश्किल बना दिया है। ऐसे में युवाओं को परिवर्तन के लिये विशेष भूमिका निभानी होगी।

विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाशंकर मिश्र ने कहा कि भाजपा की नीतियां गरीब और वंचित वर्गों के खिलाफ काम कर रही हैं। वक्ताओं ने कहा कि पीडीए एक सकारात्मक नारा है जो सभी वर्गों को साथ लेकर नई व्यवस्था बनाने का संकल्प देता है। कहा कि समाजवादी व्यवस्था में सभी को समान सम्मान और अवसर मिलेगा। वक्ताओं ने यह दावा किया कि भाजपा केवल समाज में वैमनस्य और विभाजन की राजनीति करती है जबकि सपा समावेशी और विकासपरक राजनीति के लिए जानी जाती है। सपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव–गांव जाकर जनता को जागरूक करें और भाजपा सरकार की नीतियों से होने वाले नुकसान को उजागर करें।

पीडीए महापंचायत में श्रीपति सिंह, राम सुरेश चौरसिया, रामफेर राजभर, चन्द्रभान शर्मा, संदीप शर्मा, सोनू शर्मा, आर.डी. निषाद, छोटेलाल राजभर, कैलाशनाथ शर्मा, गीता भारती, आदि ने कहा कि पीडीए का नारा समाजवादी पार्टी की राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा है। इसमें पी का अर्थ पिछड़ा वर्ग, डी का मतलब दलित और ए का संकेत अल्पसंख्यक वर्ग से है। सपा नेताओं ने कहा कि ये तीनों वर्ग मिलकर समाज और राजनीति की बड़ी ताकत हैं, जिन्हें भाजपा सरकार लगातार हाशिये पर धकेल रही है।

सपा नेता जावेद पिण्डारी, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, मो. सलीम, रन बहादुर यादव, राजेन्द्र चौधरी, गुलाम गौस, मो. उमर, मो. स्वालेह, अरविन्द सोनकर, भोला पाण्डेय, युनूस आलम, अरविन्द यादव, प्रशान्त यादव, अयाज अहमद, राम सिंह यादव आदि ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से किसानों की आय बढ़ने के बजाय लगातार गिर रही है, बेरोजगारी चरम पर है और युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। सपा नेताओं ने संकल्प लिया कि आने वाले समय में जनता के बीच लगातार पहुंच बनाई जाएगी और पीडीए नारे को हर घर तक पहुंचाकर 2027 में समाजवादी सरकार बनाई जाएगी। कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकास, रोजगार और समान अवसरों की नई शुरुआत होगी।

पीडीए महापंचायत में मुख्य रूप से मो. जमील, राजेन्द्र चौरसिया, मो. सज्जू, हनुमान शर्मा, महेश शर्मा, हनुमान गौड़, चन्द्रभान शर्मा, रमेश शर्मा, राजेश शर्मा, गोरख शर्मा, मो. आमिश, हरीश, अशोक शर्मा, हरिशंकर शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, रजनीश यादव, अखिलेश यादव, रहमान सिद्दीकी, विपिन त्रिपाठी, गौरीशंकर के साथ ही बड़ी संख्या में सपा नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

टेट अनिवार्यता समाप्त करने की मांग: शिक्षकों ने सांसद राम प्रसाद चौधरी को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अम्बिका पाण्डेय, महामंत्री इजहारूलहक अंसारी ने संघ पदाधिकारियों और शिक्षकों के साथ शनिवार को सांसद राम प्रसाद चौधरी के माध्यम से प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के क्रम में सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने के आदेश मामलों में प्रभावी पहल कर समस्या का निस्तारण कराया जाय।

प्रधानमंत्री को संबोधित पत्र में अनुरोध किया गया है कि जो शिक्षक सेवारत हैं उनकी नियुक्ति तत्कालीन सेवा नियमावली के अनुरूप है, इसलिए वर्तमान नियुक्ति अर्हता शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण किये जाने के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार किये जाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री से संगठन की ओर से मांग की गई है कि सेवा नियमावली के आलोक में शिक्षकों की नियुक्ति तत्कालीन योग्यता और अर्हता के अनुसार की गई थी इसलिए वर्तमान चयन अर्हता को आधार मानते हुए वर्षों पहले चयनित शिक्षकों को अयोग्य ठहराया जाना न्याय के कल्याणकारी सिद्धांतों के खिलाफ है।

सांसद राम प्रसाद चौधरी ने ज्ञापन लेने के बाद कहा कि वे समस्या के समाधान हेतु हर संभव प्रयास किया जायेगा।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से संघ के मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार जायसवाल, उपाध्यक्ष उमेश मौर्य, सुशील कुमार पटेल, मोहम्मद आलम, फैजान अहमद, मनीष मिश्रा, दिनेश, शुक्ला के साथ ही अनेक पदाधिकारी, शिक्षक शामिल रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 सितम्बर 2025 रविवार

सम्पादकीय

महिलाओं के खाते में 10 हजार

बिहार में पचहत्तर लाख महिलाओं के खाते में दस–दस हजार रुपए भेजे जाने की पहल निश्चित रूप से राज्य की महिलाओं के सशक्तीकरण की प्रक्रिया को मजबूत करने की कोशिश है। मगर वहां विधानसभा चुनावों के दिन करीब आने के साथ ही जिस तरह इसकी घोषणा की गई, उसमें राजनीतिक लाभ उठाने की मंशा को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह छिपा नहीं है कि बिहार में रोजी–रोजगार की तस्वीर कैसी है और उसमें बड़े पैमाने पर गरीब तबकों के परिवारों को रोजमर्रा के खर्चे जुटाने के लिए कितने जतन करने पड़ते हैं।

मगर यह कोई आज अचानक उपजी स्थिति नहीं है। लंबे समय से बिहार में कमजोर तबकों के लोग रोजी–रोटी की उम्मीद में दूसरे राज्यों में जाते रहे हैं। ऐसे में यह समझा जा सकता है कि ज्यादातर गरीब परिवारों के लिए दस हजार रुपए की अहमियत क्या होगी और यह राशि मुहैया कराने वालों को वे किस रूप में देखेंगे। मगर इस सहायता राशि के लिए जो कसौटियां तय की गई हैं, उसमें इसका लाभ कितने वास्तविक जरूरतमंदों को मिलेगा, यह देखने की बात होगी। सवाल है कि बिहार सरकार को ठीक चुनावों से पहले महिलाओं की सहायता करने की सुध क्यों आई, जबकि एक बड़े तबके के बीच अभाव के हालात बहुत पुराने हैं।

यह बेवजह नहीं है कि इस कवायद को चुनाव में एक बड़े वर्ग के मतदान के रुख को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय राजनीति में यह प्रवृत्ति काफी तेजी से मजबूत होती दिखी है कि चुनावों के मौके पर अलग–अलग राजनीतिक दल आम लोगों को मुफ्त की सौगात देने का वादा करते हैं। सत्ताधारी पार्टी या गठबंधन के दलों को सुविधा यह होती है कि वे अपनी सरकार के जरिए समाज कल्याण के नाम पर लोगों को कोई तोहफा मुहैया कराने में सबसे आगे हो सकते हैं।

मगर इस क्रम में लोकतंत्र का जीवन मानी जाने वाली मतदान–प्रणाली को मुफ्त के आकर्षण से प्रभावित करने की कोशिश लगातार बढ़ती गई है। आम लोगों को मुफ्त की सौगात देकर उनका समर्थन हासिल करने की प्रवृत्ति पर सुप्रीम कोर्ट भी नाराजगी जता चुका है। इस चलन पर नैतिकता और औचित्य के सवाल उठते रहे हैं, लेकिन इसे रोकने के लिए कुछ भी ठोस होता नहीं दिखता।

घर के नाम पर धोखाधड़ी

हर किसी का सपना होता है कि शहर में उसका भी अपना एक घर हो। इसके लिए वह अपने जीवन भर की पूंजी लगा देता है। खासकर मध्यम वर्ग के लोग इस सपने को पूरा करने के लिए अपने दैनिक खर्चे में कटौती कर बैंकों से कर्ज भी लेते हैं। मगर परेशानी तब बढ़ जाती है, जब तय समय पर उन्हें घर नहीं मिल पाता है। जाहिर है यह सब भवन निर्माताओं की मनमानी की वजह से ही होता है। ऐसे मामलों में कर्ज देने वाले बैंकों की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। देशभर में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें भवन निर्माताओं और बैंकों के बीच साठगांठ के आरोप लगे हैं। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली–एनसीआर के बाद अब मुंबई, बंगलुरु, कोलकाता, मोहाली और प्रयागराज में घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को छह नए मामले दर्ज करने की अनुमति दी है। सीबीआइ का कहना है कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस संबंध में संज्ञेय अपराध का मामला बनता है।

इसमें दोराय नहीं कि मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बढ़ती महंगाई के इस दौर में शहरों में घर खरीदने के वास्ते रकम जुटाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में बैंकों से कर्ज लेना ही एकमात्र विकल्प होता है। मगर इन्हीं बैंकों के कर्मी अगर भवन निर्माताओं के साथ साठगांठ कर घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने लगें, तो कर्ज की यह सुविधा ही मुश्किल में डाल देती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस वर्ष जुलाई में दिल्ली–एनसीआर में घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोपों से जुड़े मामलों में बैंकों और भवन निर्माताओं के बीच साठगांठ की गहन जांच के लिए सीबीआइ को बाईस मामले दर्ज करने की अनुमति दी थी। ये मामले एनसीआर में कार्यरत भवन निर्माताओं और उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा के विकास प्राधिकरणों से संबंधित हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने दिल्ली–एनसीआर के बाहर की आवास परियोजनाओं की प्रारंभिक जांच करने के लिए सीबीआइ को छह सप्ताह का समय दिया था।

दरअसल, शहरों में घर खरीदने वालों के लिए बैंकों ने ब्याज अनुदान योजना शुरू की है। इसके तहत बैंक स्वीकृत राशि सीधे भवन निर्माता के खातों में जमा करते हैं, जिन्हें तब तक स्वीकृत ऋण राशि पर किस्त का भुगतान करना होता है, जब तक कि आवास खरीदारों को नहीं सौंप दिए जाते।

सर्वोच्च न्यायालय ऐसे 1,200 से अधिक घर खरीदारों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिन्होंने एनसीआर, विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में विभिन्न आवास परियोजनाओं में ब्याज अनुदान योजनाओं के तहत आवास बुक किए थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि आवास का कब्जा अभी तक नहीं मिला है और बैंक उन्हें कर्ज की किस्तों का भुगतान करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि बैंक नियमों के विपरीत घर खरीदारों पर दबाव क्यों बना रहे हैं?

साफ है कि बैंकों का यह रवैया आपसी मिलीभगत की ओर इशारा करता है और यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने इन मामलों में कडा संज्ञान लिया है। दूसरी ओर सरकार को भी इस तरह के मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए। विभिन्न परियोजनाओं के तहत घर खरीदने की पेशकश करने वाले भवन निर्माताओं और कर्ज देने वाले बैंकों पर नजर रखने के लिए माकूल निगरानी तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि खरीदारों के हितों की रक्षा हो सके।

सभ्यता की जननी नदियों के स्वच्छता का यक्ष प्रश्न

–ललित गर्ग–

नदियां मात्र जलधाराएं नहीं हैं, वे जीवन की धमनियां हैं, सभ्यता की जननी हैं और प्रकृति का शाश्वत उपहार हैं। मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि हर संस्कृति और हर महान नगरी का उदय नदियों के तट पर हुआ। गंगा, सिंधु, नील, अमेजन, यांग्त्सी जैसी नदियाँ केवल भूगोल का निर्माण ही नहीं करतीं, बल्कि कृषि, व्यापार, परिवहन, ऊर्जा, आस्था और संस्कृति को भी दिशा देती हैं। विश्व स्तर पर हर वर्ष सितंबर के चौथे रविवार को मनाया जाने वाला विश्व नदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि नदियां हमारी अस्तित्व–रेखा हैं और उनका संरक्षण करना किसी विकल्प का नहीं बल्कि हमारे जीवन के अस्तित्व का प्रश्न है। 2005 में, संयुक्त राष्ट्र के 'जीवन के लिए जल दशक' की शुरुआत के उपलक्ष्य में, नदी अधिवक्ता मार्क एंजेलो ने विश्व नदी दिवस के गठन का प्रस्ताव रखा। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रयास कनाडा में 1980 में एंजेलो द्वारा शुरू किए गए बीसी नदी दिवस की सफलता से प्रेरित था। विश्व नदी दिवस नदियों के महत्व को रेखांकित करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नदियों की बेहतर देखभाल–संरक्षण–संवर्धन का समर्थन करते हुए जन जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है, जो नदियों की रक्षा, जल अधिकारों को बनाए रखने और नदी प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की आवाज को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर केंद्रित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका का लगभग 65 प्रतिशत पेयजल नदियों से आता है, इसी तरह भारत सहित अनेक देशों में पेयजल का मुख्य स्रोत नदियां ही है। नदियां हमें बिजली पैदा करने, फसलों को पानी देने और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराती हैं। यही कारण है कि एम्स्टर्डम, बैंकॉक और बर्लिन जैसे समृद्ध शहर नदियों के किनारे बसे हैं। दुर्भाग्य यह है कि जिन नदियों ने हमें जीवन दिया, हमने उन्हीं को प्रदूषण और विनाश की गर्त में धकेल दिया। औद्योगिक इकाइयों का रासायनिक कचरा, नगरों का गंदा पानी, प्लास्टिक और घरेलू अपशिष्ट ने नदियों को गटर में बदल दिया है। अंधाधुंध बांध निर्माण और जलविद्युत परियोजनाओं ने उनकी प्राकृतिक धारा को बाधित किया है। धार्मिक आस्थाओं और अंधविश्वासों के नाम पर मूर्तियों और अस्थियों का विसर्जन नदियों की पवित्रता को विषाक्त बना रहा है। जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों के अस्तित्व पर संकट गहरा रहा है। भारत में गंगा, यमुना, चंबल, साबरमती जैसी नदियां इस प्रदूषण और शोषण का शिकार हैं, वहीं विश्व स्तर पर अमेजन, नील और डेन्यूब जैसी नदियां भी प्रदूषण और अत्यधिक दोहन की मार झेल रही हैं। पृथ्वी की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपनी जीविका के लिए मछलियों पर निर्भर है, इसलिए हमें औद्योगिक कचरे के कारण नदियों के क्षरण को सक्रिय रूप से रोकने और पानी के नीचे के पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

नदियां केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि जीव–जंतुओं और वन्य जीवन की धुरी हैं। असंख्य मछलियां, कछुए, पक्षी और जलीय प्राणी नदियों से अपना जीवन पाते हैं। जब नदी प्रदूषित होती है तो यह जैवविविधता समाप्त होने लगती है, खेत बंजर हो जाते हैं, भूजल स्तर गिर जाता है और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगता है। नदियों की मृत्यु वास्तव में पृथ्वी सृष्टि की मृत्यु है। इन परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि नदियों के संरक्षण को हम केवल सरकारी योजनाओं या नीतियों तक सीमित न रखें, बल्कि इसे जनांदोलन का रूप दें। प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण, जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, शोधन संयंत्रों की अनिवार्यता और सामाजिक जागरूकता ही वे उपाय हैं जिनसे नदियों को नया जीवन दिया जा सकता है। गंगा एक्शन प्लान और नमामि गंगे जैसी योजनाएँ तभी सार्थक होंगी जब समाज ईमानदारी से अपने हिस्से का कर्तव्य निभाएगा। नदियों को गंदा करना आत्मघात है और उन्हें बचाना जीवन रक्षा का संकल्प।

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। नदियां के अत्यधिक खघ्तरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की। देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा–हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी–देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक–आर्थिक–प्राकृतिक स्थिति पर जल–संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा।

विश्व नदी दिवस हमें यह चेतावनी देता है कि यदि नदियां सूख जाएंगी, प्रदूषित हो जाएंगी या विलुप्त हो जाएंगी तो मानव सभ्यता का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। नदियां हमारी जीवनरेखा और सांस्कृतिक धरोहर हैं, उनका संरक्षण करना ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन और आशा को बचाना है। यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का आह्वान करता है कि हम नदियों को केवल उपयोग की वस्तु न समझें, बल्कि जीवित प्राणी की तरह उनका सम्मान करें, क्योंकि नदी बचेगी तो जीवन बचेगा, नदी बहेगी तो संस्कृति बहेगी।

आई लव मोहम्मद की हकीकत और साजिश

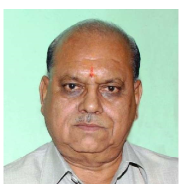

–अजय कुमार–

इस्लाम धर्म में बुतपरस्ती यानी मूर्तिपूजा को कड़ाई से हराम घोषित किया गया है। पैगम्बर साहब की किसी तस्वीर, चित्र या मूर्ति बनाने पर हमेशा से पाबंदी रही है, क्योंकि इस्लाम का मूल संदेश एक ईश्वर की इबादत पर आधारित है, न कि किसी प्रतिमा या चित्र की पूजा पर। लेकिन इन दिनों उत्तर प्रदेश में नए तरह का चलन देखने को मिल रहा है, जिसमें जगह–जगह आई लव मोहम्मद लिखे बैनर और पोस्टर लगाए जा रहे हैं।मोहम्मद साहब के नाम पर समाज का माहौल खराब करने सहित दंगा फैलाया जा रहा है। सवाल यह है कि जब पैगम्बर की तस्वीर तक बनाना मना है, तब क्या इस तरह के भावनात्मक नारे लगाकर धार्मिक और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें जायज मानी जा सकती हैं? पैगम्बर मोहम्मद साहब ने अपने जीवनकाल में तौहीद का संदेश दिया था। उन्होंने हर तरह की बुतपरस्ती और चित्र या मूर्ति पूजा का खंडन किया। लेकिन आई लव मोहम्मद जैसी कार्यवाहियाँ इस्लाम की उसी मूल भावना से टकराती नजर आती हैं। यहाँ सवाल यह नहीं कि मोहम्मद साहब के प्रति प्रेम या आदर किया जा रहा है, बल्कि यह है कि उस प्रेम को किस रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है। इस्लाम में अपने पैगम्बर से मोहब्बत दिखाने का तरीका उनके बताए मार्ग पर चलना और अमल करना है, न कि नारेबाजी और पोस्टरों से हंगामा खड़ा करना। कानपुर से आई लव मोहम्मद के पोस्टर से जो चिंगारी निकली थी बरेली में उसने उग्र रूप धारण कर लिया। उपद्रवियों ने जम कर हिंसा और लूटपाट की। इस अराजकता के लिये विवादित मुस्लिम मौलाना तौकीर रजा सीधे तौर पर उतरदायी है।बरेली में तौकीर रजा सहित दंगा फैलाने वालों पर कार्रवाई के बाद इस समय वहां तनावपूर्ण शांति है।

बीते कुछ महीनों से उत्तर प्रदेश के कई शहरों में आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर, दीवारों पर बने बड़े–बड़े बैनर और झंडे देखने को मिल रहे हैं। इन बैनरों को लगाने का नाम भले ही धार्मिक प्रेम दिखाना बताया जा रहा हो, लेकिन जानकारों का मानना है कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक नीयत छिपी हुई है। यह सिर्फ साधारण नारा नहीं है, बल्कि एक सोची–समझी साजिश है जिसमें धार्मिक भावनाओं को भड़काकर समाज में तनाव पैदा किया जा रहा है। इन बैनरों का उद्देश्य केवल अपने समुदाय में धार्मिक जोश जगाना नहीं, बल्कि दूसरे धर्मों के लोगों को उकसाना भी है। सार्वजनिक जगहों पर लगाए जाने वाले ये पोस्टर जब किसी अन्य संप्रदाय के इलाके में लगाए जाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से टकराव की स्थिति बनती है। उत्तर प्रदेश के कई कस्बों और शहरों में यही देखने को मिला। मोहल्लों में एक वर्ग जब आई लव मोहम्मद के झंडे या बैनर लेकर निकलता है, तो दूसरा वर्ग इसे उकसावे की कार्रवाई मानता है। धीरे–धीरे माहौल गरमाने लगता है और छोटे–छोटे विवाद बड़े दंगों में बदल जाते हैं।

गौरतलब है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था लंबे समय से धार्मिक तनावों को लेकर चुनौती झेल रही है। प्रशासन अक्सर नारे लगाने और पोस्टर चिपकाने वालों के खिलाफ सख्ती नहीं दिखाता, क्योंकि इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मामला बना दिया जाता है। लेकिन सवाल ये उठता है कि जब इस्लामी शिक्षाओं में चित्र और मूर्ति जैसी चीजों का कोई स्थान नहीं है, तो फिर इन पोस्टरों को धार्मिक स्वतंत्रता कैसे माना जा सकता है? यह स्पष्ट है कि प्रशासन की शिथिलता के कारण ही ये साजिशें परवान चढ़ रही हैं। धार्मिक नारों और बैनरों का दूसरा बड़ा पहलू राजनीति से जुड़ा हुआ है। हर चुनावी मौसम में समुदाय विशेष की भावनाओं को भड़काकर वोट पाना एक आम चलन बन चुका है। आई लव मोहम्मद आंदोलन भी यही खेल लगता है। आम लोगों की आस्था को हथियार बनाकर न केवल वातावरण दूषित किया जा रहा है, बल्कि दंगे–फसादों का डर दिखाकर राजनैतिक गोलबंदी भी की जा रही है। इन घटनाओं के कारण समाज के आम नागरिक लगातार दहशत में जी रहे हैं। जिन इलाकों में पोस्टर लगाए जाते हैं, वहां तनाव फैल जाता है। दुकानें जल्दी बंद हो जाती हैं, दैनिक जीवन अस्त–व्यस्त हो जाता है और छोटे–छोटे बच्चों तक के मन में डर बैठ जाता है। बड़ों के दिमाग में यह सवाल गूंजता है कि यह प्यार दिखाने का तरीका है या दंगे भड़काने की चाल?

वहीं कई मुस्लिम विद्वानों ने खुलकर कहा है कि इस तरह के नारे और बैनर इस्लामी शिक्षा के खिलाफ हैं। पैगम्बर मोहम्मद साहब से असली प्रेम उनका आदर्श जीवन अपनाने में है, न कि झंडे और पोस्टर लहराने में। लेकिन यही धार्मिक संदेश जब तक आम जनता तक सही रूप में नहीं पहुंचेगा, तब तक ये साजिशें जारी रहेंगी। भारत का इतिहास धार्मिक उन्माद और दंगों से भरा पड़ा है। छोटी–सी चिंगारी बड़े विस्फोट में बदल जाती है। अंग्रेजों के जमाने से लेकर आज तक, फूट डालो और राज करो की नीति बार–बार दोहराई जाती रही है। फर्क बस इतना है कि अब राजनीति करने वाले आधुनिक तरीकों से यही काम कर रहे हैं। पोस्टर, बैनर और नारे इसी आधुनिक हथियार का हिस्सा हैं।

बहरहाल,कुल मिलाकर इस्लामी विद्वानों को आम जनता को समझाना होगा कि मोहम्मद साहब के नाम का उपयोग राजनीतिक मंसूबों के लिए करना पाप है। असली अनुसरण उनके जीवन मूल्यों को अपनाने में है।किसी भी समुदाय की आस्था की आड़ लेकर शहर की शांति बिगाड़ने वालों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। धार्मिक नारेबाजी के नाम पर पोस्टर या बैनर लगाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। समाज के सभी वर्गों को मिलकर यह समझना होगा कि ऐसे नारों के पीछे कौन–सी अंतरात्मा काम कर रही है। जब जनता खुद इन खेलों का शिकार नहीं बनेगी, तभी शांति कायम हो पाएगी। राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी'राजनीति का आधार धार्मिक भावनाएँ नहीं, बल्कि विकास और न्याय होना चाहिए। इसके लिए जनता को कठोर सवाल करना आवश्यक है।

आई लव मोहम्मद जैसे नारों और पोस्टरों को देखने पर तत्कालीन भावनाएँ भले ही धार्मिक प्रेम की प्रतीक लगें, लेकिन असलियत में इनका इस्तेमाल समाज में नफरत फैलाने और दंगे भड़काने की साजिश के रूप में किया जा रहा है। जब इस्लाम खुद पैगम्बर साहब की तस्वीर तक हराम मानता है, तो ऐसे पोस्टर और नारे धर्म की सेवा नहीं बल्कि धर्म के नाम पर राजनीति करने का साधन हैं। शांति, भाईचारा और आपसी सम्मान ही असली संदेश है, जो इस्लाम समेत हर धर्म की आत्मा है। अगर उत्तर प्रदेश और देश को इन गहरी साजिशों से बचाना है, तो समाज को सत्य पहचानना होगा और उस पर एकजुट होकर खड़ा होना होगा।

जेन–जेड क्रांति से सबक ले देश

–कमलेश पाण्डेय–

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जारी आंदोलन ने गत्वबुधवार को हिंसक रूप अख्तियार कर लिया है। इसके बाद लेह में प्रदर्शनकारी छात्रों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हुई और 70 से ज्यादा घायल है। वहीं, प्रदर्शन के दौरान बीजेपी के ऑफिस और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी गई। चूंकि यह अतिवादी कार्रवाई है। इसलिए हिंसा पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। वहीं, हालात को देखते हुए लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया। बिना मंजूरी के रैली और प्रदर्शनों पर रोक लगा दी गई है।

बताते चलें कि लद्दाख को राज्य का दर्जा समेत कई मांगों पर सोशल ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक विगत 15 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। लिहाजा, उनकी मांगे पूरी न होने पर प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को बंद बुलाया। इसी सिलसिले में सोशल मीडिया पर लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की गई। जिसके बाद गत बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे। इसी दौरान हिंसा हुई। सरकारी सूत्रों ने कहा कि हिंसा में राजनीति से प्रेरित साजिश की बूआ रही है।

वहीं, केंद्र सरकार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि सोनम वांगचुक के उकसाऊ बयानों से यह हिंसा भड़की है। इससे पहले वांगचुक ने हिंसा पर दुख जताते हुए अनशन तोड़ दिया। उन्होंने इन घटनाओं के लिए जेन–जेड (1997 से 2012 के बीच जन्म लेने वाली पीढ़ी) की हताशा को जिम्मेदार ठहराया और शांति की अपील की। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों की 4 अहम मांगें हैं– लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा, पूर्वोत्तर की तरह संवैधानिक सुरक्षा, करगिल, लेह की अलग–अलग लोकसभा सीट और सरकारी जॉब्स में में स्थानीय लोगों की भर्ती।इससे स्पष्ट है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और चीन के हमदर्द राहुल गाँधी जो नेपाल–बंगलादेश की तरह पूरे देश में यही कुछ चाहते थे, के मनोरथ पूर्ण होने की तरफ बात बढ़ चली है। यदि शेष भारत में गृहयुद्ध भड़कता है तो इसके लिए इस देश में केवल विपक्षी दल, कथित सिविल सोसायटी और बाहरी शक्तियाँ, यथा– अमेरिकी डीप स्टेट तथा इस्लामिक अतिवादी संस्थाएं दोषी तो होंगी ही, साथ ही साथ इस बद से बदतर स्थिति के लिए कथित राष्ट्रभक्त हिंदू और सनातन धर्म प्रेमी लोगों का एक बड़ा तबका भी होगा जो उनके इशारे पर थिरकते हैं।

ऐसा इसलिए कि आप लद्दाख की इस घटना से लेकर नेपाल के हाल–फिलहाल के वाकये तक इनके द्वारा लिखी व बोली गई अनाप–शनाप बातों से अंदाजा लगा सकते हैं।वास्तव में ये जाने–अनजाने में देश धर्म विरोधी तत्त्वों के हथियार बन रहे हैं। यह गम्भीर बात है। इससे संवैधानिक सफलता भी संदिग्ध हुई है। सच कहूं तो भारत के अतिसंवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश श्लद्दाखश से जेन–जेड क्रांति का जो आगाज दिखाई–सुनाई पड़ा है, यह हमें समय रहते ही सावधान करने के लिए काफी है। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए शर्म की बात है। चाहे सम्बन्धित सेना हो या सिविल व पुलिस प्रशासन, यदि उनके द्वारा अमेरिकी खुफिया इकाई सीआईए द्वारा प्रोत्साहित इस कथित जेड–जेन क्रांति को सख्ती पूर्वक नहीं कुचला गया तो उनका भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा! बेहतर होगा कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को अविलंब कैद करके उन्हें आजीवन कारावास या फांसी की सजा दी जाए, क्योंकि उनके कुकर्मों से धन–जन की हानि हुई है, अन्यथा भारतीय लोकतंत्र में भी एक गलत ट्रेंड स्थापित हो जाएगा।

कंटेनर में घुसी रोडवेज बस, 1 की मौत, 5 घायल

संवाददाता–कुशीनगर। सवारियों से भरी रोडवेज बस पीछे से एक खड़े कंटेनर में जा घुसी। हादसे में बस सवार एक युवक की मौत हो गई। 5 लोग घायल हो गए। इनमें से 3 गंभीर घायल हैं और उनके पैरों की हड्डियां कई जगहों से टूट गई हैं। एक की गर्दन की हड्डी पर गंभीर चोट आई है और अन्य एक को मामूली चोटें हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर 10 मीटर तक घिसट गया। बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस के केबिन से लेकर चेचिस का आधा हिस्सा गायब हो गया। बस का अगला गेट कंटेनर में घुस गया। पुलिस ने गैस कटर की मदद से कई यात्रियों को बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो हादसा बस के चालक की लापरवाही से हुआ। हादसे के बाद जब पुलिस ने बस का मुआयना किया तो एक्सीलरेटर पर एक ईंट रखी हुई मिली। हादसा छभ्–28 पर हाटा थाना क्षेत्र के पास हुआ। गोरखपुर डिपो की रोडवेज बस (यूपी 53 एफटी 5851) यात्रियों को लेकर जा रही थी। बस पूरी खचाखच भरी थी। सुबह करीब 5 बजे कुशीनगर जिले के हाटा थानाक्षेत्र के ढाढा के पास एनएच –28 पर यह बस सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर (एचआर 55 एजी 2290) में पीछे से जाकर घुस गई। दरअसल कंटेनर का टायर पंक्चर हो गया था, तो चालक कंटेनर को रोड साइड में लगाकर पहिया चेंज करवा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया– बस की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटे के आसपास थी, जिसके कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया। टक्कर होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। सभी यात्रियों को बस के पिछले गेट से सुरक्षित उतारा गया। पर एक यात्री केबिन के साइड में फंसा हुआ था। पुलिस ने गैस कटर मंगवा कर बस की बॉडी को कटवाया और एक घंटे की मशक्कत के बाद फंसे यात्रियों को निकाला। पर उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान फाजिलनगर ब्लॉक के धनौजी कला गांव निवासी 30 वर्षीय जय राम प्रजापति के रूप में हुई है। वहीं अंशु कुमार शर्मा (17) निवासी वर्धा बाजार चौरा खास, राजेश पटेल निवासी गुलरिया बाजार (देवरिया), वकील अंसारी निवासी छपरा हीरौली (कुशीनगर) और पंकज गुप्ता निवासी मटिया बकरिया (तमकुहीराज) समेत 5 लोग गंभीर घायल थे। सभी को एम्बुलेंस की मदद से हाटा सीएचसी पहुंचाया गया। जहां से कुशीनगर जिला अस्पताल रेफर किया गया। पांचवें घायल को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। शेष 4 का इलाज जारी है। 3 लोगों के पैर टूट गए हैं। हादसे में कंटेनर का ड्राइवर बाल–बाल बच गया, जहां टक्कर के दौरान गाड़ी में ही मौजूद था।

डीएम व पुलिस अधीक्षक ने त्रिमुहानी घाट का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता–महराजगंज। जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा व पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीणा द्वारा दशहरा पर्व के दौरान स्थापित दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन हेतु रोहिन नदी त्रिमुहानी घाट पर मौके का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा घाट की ओर जाने वाले रास्ते की सफाई तथा प्रकाश की व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया गया। एनएचएआई से घाट पर जाने वाले रास्ते को मिट्टी सिल्ट डालकर चौड़ा करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने नदी की तरफ लोगों को जाने से रोकने हेतु बैरिकेडिंग करने का निर्देश अधिशासी अभियंता पी0डब्लू0डी0 तथा सिंचाई विभाग बाढ़ खंड को दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि

विसर्जन के दौरान पर्याप्त पुलिस बल कि उपलब्धता को सुनिश्चित करें। कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत कोई भी लापरवाही न हो। एसडीएम फरेन्दा को निर्देशित करते हुए कहा कि फरेन्दा की तरफ से आने वाले मूर्तियों के संदर्भ में कहा कि मूर्ति आयोजकों से वार्ता कर सुझाव दिया जाय कि मूर्ति किनारे से ही विसर्जित की जाये इस अवसर पर एसडीएम फरेन्दा, डीडीओ, अधिशासी अभियंता पी0डब्लू0डी0, तहसीलदार सदर व अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने बहराइच में भेड़िया प्रभावित क्षेत्र का किया हवाई सर्वेक्षण, बोले– पकड़ में न आए तो मार दें गोली

संवाददाता–बहराइच। कैसरगंज रेंज के मंझारा तौकली गांव में भेड़िये के हमले में मृतक व घायल परिवारजनों से शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात कर उनका दुख–दर्द बांटा। संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों के स्वजन को पांच लाख व घायल परिवार को 50 हजार की सहायता राशि देने का एलान किया। पीड़ित परिवार से मिलने से पहले मुख्यमंत्री को भेड़िया प्रभावित इलाकों में हवाई सर्वेक्षण में दो भेड़िये दिखे। मुख्यमंत्री ने मंच से कहा कि वन विभाग को भेड़िया पकड़ने के निर्देश दिए गए है। यह भी कहा गया है कि अगर पकड़ में न आए तो उन्हें शूट एट साइट कर दिया जाए। यह सुनते ही तालियों की गड़गड़ाहट से पंडाल गूंज उठा।

कैसरगंज रेंज के गांधीगंज गांव में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मंझारा तौकली में पिछले 15–20 दिनों से लगातार डर व दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्राम रोजगार सेवक, सफाई कर्मचारी, ग्राम पंचायत सचिव, सहायक विकास अधिकारी, ग्राम चौकीदार आदि की सहायता से गांवों में जन जागरण के साथ–साथ वन्यजीवों से बचाव का उपाय किया जा रहा है। वन विभाग की छह टीमों के अलावा भी कई टीमें मौके पर लगी हुई हैं। इसके बावजूद भी हमें चार ऐसे मासूम बच्चों को खोना पड़ा है, जो अलग–अलग घटना के शिकार हुए हैं। 16 लोग अब तक भेड़िये के हमले में घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवरानी, श्याम रती देवी, मदन, चंद्रिका, हरदेई, मनीषा, अंजनी, पृथ्वी नाथ, सूरत लाल, राजाराम, दिपाली, संजू देवी, प्रिंसू, अनिकेत, सावित्री, हरीशचंद्र भेड़िये के हमले में घायल हुए हैं। लगातार एक ही गांव में भेड़िया ने हमला किया है।

मृतक बच्चों को पांच–पांच लाख की सहायता राशि देने के साथ पक्का मकान देने के निर्देश जिला प्रशासन को दिया है। जिनके पास मकान हैं और दरवाजा नहीं है, दरवाजा लगवाने के निर्देश दिए हैं। शौचालय बनवाने के साथ ही घायलों को एंटी वेनम वैक्सीन लगाने के निर्देश दिए है। इससे रैबीज नहीं फैलेगा। उन्होने कहा कि वन विभाग को कहा गया कि है कि भेड़िया पकड़ में न आने पर शूट एट साइट कर दिए जाए। उन्होने कहा कि मै यहां केवल संवेदना व्यक्त करने के लिए आया हूं।

भाजपा टीम–11 ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नवरात्रि और दुर्गा पूजा के पावन पर्व पर शहर का माहौल बिगाड़ने की साजिश को लेकर भारतीय जनता पार्टी टीम–11 ने भाजपा नेता सत्येन्द्र सिंह भोलू के नेतृत्व में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। टीम ने दोनों अधिकारियों को अवगत कराया कि कुछ अराजक तत्वों द्वारा भड़काऊ होर्डिंग लगाकर जिले का माहौल बिगाड़ने और उपद्रव फैलाने का कुत्सित प्रयास किया गया है, जो जिले की शांति व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। टीम–11 ने एसपी को ज्ञापन सौंपते हुए मांग किया कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए,जिससे जिले की शांति व्यवस्था और आपसी सौहार्द न बिगड़ने पाये। सत्येन्द्र सिंह भोलू ने बताया कि पुलिस कप्तान ने आश्वस्त किया है कि दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी और जिले में शांति एवं सौहार्द हर हाल में बनाए रखा जाएगा।

ज्ञापन देने वालों में राजकुमार शुक्ला, दिलीप पांडेय, तारक जायसवाल, विनोद चौधरी, प्रदीप निषाद, निलेश सिंह,सोनू वर्मा, अभिषेक पांडेय, नागेंद्र शुक्ल मौजूद रहे।

डायट प्राचार्य ने बीईओ, एसआरजी, एआरपी को दिया अक्टूबर माह का लक्ष्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में शनिवार को समग्र शिक्षा के अंतर्गत कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सितंबर माह में किए गए कार्यों की समीक्षा हुई और बीईओ, एसआरजी, एआरपी के अक्टूबर माह के लक्ष्य को प्राचार्य ने निर्धारित किया। बैठक को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि स्कूलों में विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई शिक्षक संदर्शिका सहित अन्य शैक्षिक सामग्रियों का बेहतर और शत प्रतिशत उपयोग कराकर अक्टूबर माह की बैठक में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। सितंबर माह में जो बच्चे संघर्षशील थे उसमें से कितने मध्यम में गए और जितने मध्यम थे उसमें से कितने सक्षम हुए इसकी जानकारी अक्टूबर माह में आकलन करते हुए अगली बैठक में लिखित रूप से प्रस्तुत करना है तथा इसकी विस्तृत कार्ययोजना सभी एआरपी दस दिनों के भीतर जमा करें। प्राचार्य ने कहा कि अगली बैठक में सभी एआरपी अपने ब्लॉक की कार्ययोजना पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे जिसमें ब्लॉक के सभी एआरपी अपने विषय से संबंधित एक कक्षा शिक्षण पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शिक्षकों से रणनीतियों पर चर्चा अवश्य करें।

–शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए बेहतर प्रयास करें शिक्षक – संजय शुक्ल

जिससे सभी शिक्षक गुणवत्ता में सुधार के लिए बेहतर प्रयास करें। बैठक के नोडल प्रवक्ता इमरान द्वारा गणित ओलंपियाड, निपुण ब्लॉक आदि विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी साझा की गई। उन्होंने सितम्बर माह में डायट मेंटर, एसआरजी और एआरपी द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सपोर्टिव सुपरविजन, स्पॉट असेसमेंट, शिक्षकों के साथ संवाद, समय सारिणी तथा पाठ्यक्रम, संदर्शिका, शिक्षक डायरी, प्रिंटरिच सामग्री, मासिक शिक्षक संकुल बैठक, आगामी माह की अकादमिक योजना आदि विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। एसआरजी आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि सहयोगात्मक सुपरविजन में संदर्शिका से संबंधित प्रश्नों का क्रमबद्ध अवलोकन करने के उपरांत अंकन करें। एसआरजी अंगद प्रसाद पाण्डेय ने शिक्षक डायरी निपुण तालिका आदि को भरने पर अपनी बात रखी। विभिन्न ब्लॉकों के बीईओ और एआरपी ने सितंबर माह की कार्ययोजना के साथ ही विद्यालयों में पठन–पाठन के बेहतर माहौल बनाने के तरीके साझा किए। जिला समन्वयक प्रशिक्षण स्वप्निल श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय पर सक्रिय पुस्तकालय की स्थापना के लिए सुपरविजन में शिक्षकों से बात करें तथा प्रत्येक विद्यालय पर सुपरविजन रजिस्टर अनिवार्य रूप से रखा जाए जिसमें सुपरविजन करते समय फीडबैक अंकित किया जा सके।

इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद, विनोद त्रिपाठी, सीपी गौंड, ममता सिंह, धीरेन्द्र त्रिपाठी, अशोक कुमार सहित पूरे जिले के एआरपी उपस्थित रहे।

पांच जिलों का भ्रमण कर गायत्री रथ यात्रा श्रावस्ती पहुंची

संवाददाता–श्रावस्ती। अखिल विश्व गायत्री परिवार की अखंड ज्योति कलश रथ यात्रा पांच जिलों का भ्रमण करते हुए श्रावस्ती पहुंची। यह यात्रा परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा की वर्ष 2026 में होने वाली जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में निकाली जा रही है। यात्रा का शुभारंभ जून 2025 में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज, हरिद्वार से हुआ था। श्रावस्ती पहुंचने से पहले, कलश रथ यात्रा ने अयोध्या, लखनऊ, कानपुर, फतेहपुर, कन्नौज और बहराइच का भ्रमण किया। श्रावस्ती में करनपुर, मिर्जापुर और बुद्ध बाजार के पास यात्रा का भव्य स्वागत किया गया, जहां पुष्प अर्पण के साथ आरती उतारी गई। इस यात्रा का संचालन शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि सूर्या कुशवाहा कर रहे हैं। अखिल विश्व गायत्री परिवार के श्रावस्ती जिला समन्वयक दधिबल सिंह ने बताया कि यह यात्रा जून से शुरू हुई है और दिसंबर तक जारी रहेगी। जनवरी में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद यात्रा फिर से आगे बढ़ेगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी को सफल बनाना है, जिनका जन्म 1926 में हुआ था और 2026 में उनके जन्म के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। दधिबल सिंह ने यह भी बताया कि वर्ष 2026 में परम पूज्य गुरुदेव के दादा गुरु के मिलन और अखंड दीपक के प्रज्वलन के भी 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

आज इन पांच गांवों में चोरी होगी, धमकी भरा पर्चा चस्पा होने से ग्रामीणों मे दहशत

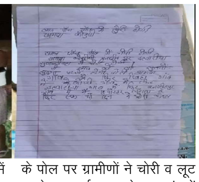

संवाददाता–श्रावस्ती। गांवों में चोरी व लूट करने का धमकी भरा पर्चा चस्पा होने का मामला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। जमुनहा व इकौना क्षेत्र के बाद अब भिनगा क्षेत्र में भी पांच गांवों में चोरी करने की नोटिस चस्पा होने का मामला सामने आया है। सुजानडीह गांव में मस्जिद के पास लगे बिजली के पोल पर शनिवार को पांच गांवों में चोरी की धमकी भरा पर्चा चस्पा मिला। भिनगा सीओ सतीश कुमार व प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सरोज ने पुलिस टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया। ग्रामीणों को सीएम का दौरा समाप्त होने के बाद पूरे मामले की छानबीन करने का आश्वासन दिया। भिनगाा क्षेत्र के ग्राम पंचायत अमवा के सुजानडीह गांव में मस्जिद के पास लगे बिजली के पोल पर ग्रामीणों ने चोरी व लूट करने का पर्चा चस्पा देखा। गांव में हड़कंप मच गया। चस्पा हुए पर्चे में लिखा है कि आज पांच गांवों में होगी चोरी। मैं सबको लूटूंगा। पहले अमवा फिर कोड़री, सुजानडीह, इटवरिया, रंजीतपुर गांव में चोरी करूंगा। चोरी और लूट का पर्चा गांव में चस्पा होने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

ते हैं। घर पर उनकी पत्नी गुड़िया बच्चों के साथ रहती हैं। शुक्रवार की रात गुड़िया बच्चों के साथ घर से कुछ दूरी पर बने नए घर पर सोने चली गईं। इसी दौरान रात में पुराने घर का दीवार फांद कर चोर कमरे में घुस गए और दो जोड़ी चांदी की पायल, दो भगोना व तसला उठा ले गए। पीड़िता ने थाने में तहरीर दी है।

आगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने लगाये स्टाल, मेंहदी के साथ अनेक आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को बाल विकास परियोजना बस्ती सदर में पोषण मिशन के तहत भुअर निरंजनपुर आगनवाड़ी केंद्र पर पोषण मिशन कार्यक्रम के तहत कार्यकत्रियों द्वारा विभिन्न प्रकार की रेसिपी तैयार कर स्टाल लगाया गया। इसके साथ ही क्षेत्रीय मुख्य सेविकाओं द्वारा अन्नप्रासन,गोदभराई ,मेहदी लगाने का भी हुआ। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमारे ने कहा पोषण माह कार्यक्रम पूरे जिले में चलाया जा रहा है। सीडीपीओ जयप्रताप सिंह ने कार्यकत्रियों की भूमिका को सराहा। जबकि क्षेत्रीय मुख्य सेविका पुष्पा रानी द्वारा गर्भवती महिला की गोद भराई , बच्चों को अन्नप्रासन सहित मेहदी का भी आयोजन हुआ। उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकत्रियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।साथ ही बच्चों में पेंसिल बॉक्स दिया गया।

इस अवसर मुख्य सेविका नीतू सिंह, पूनम सिंह, ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव, गुलाम अंसारी, आ 0बा0 का0 नंदिनी मिश्रा, दुर्गावती, श्यालकुमारी, ललिता चौधरी, रेखा चौधरी, मिथलेश, राजेश्वरी कमलेश्वरी, ममता शुक्ला, गंगोत्री,मंशा श्रीवास्तवा, रेखा चौधरी, पार्वती, पूनम, मधु के साथ ही बड़ी संख्या में आंगनवाडी कार्यकत्री और ग्रामीण महिलायें शामिल रहीं।

'आई लव मोहम्मद' के जरिये सद्भाव बिगाड़ने की इजाजत नहीं

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा मुख्यालय पर एक निजी दुकान के उद्घाटन समारोह में पहुंचे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और आशीर्वाद लिया।

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि मोहम्मद साहब से प्यार करना किसी को बुरा नहीं लगना चाहिए। जैसे सनातन धर्म को मानने वाले भगवान कृष्ण, राधा, राम, शिव और गुरु नानक से प्यार करते हैं, वैसे ही मोहम्मद से भी लोग कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस नारे के बहाने समाज में जहर घोलने या दूसरे संप्रदाय को नीचा दिखाने की कोशिश की गई, तो यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में ऐसा माहौल बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के "मौलाना भूल गया कि उत्तर प्रदेश में है" वाले बयान का भी समर्थन किया। शारदीय नवरात्रि के दौरान सामने आए पोस्टर पर बृजभूषण ने कहा कि सरकार यह देख रही है कि नारा किस समय और संदर्भ में दिया गया।

बयान देने में फंसा सपा का प्रतिनिधिमंडल, पीड़िता ने दी तहरीर

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के चर्चित एसएस माल में धर्मांतरण मामले में दो दिन पहले देवरिया आए सपा के प्रतिनिधि मंडल का बयान विवादों में आ गया है। मामले में पीड़िता ने नाम लेने, एक युवक से अवैध संबंध व चोरी का रुपया खाते में मंगाने का गलत बयान देने का आरोप सपा प्रतिनिधिमंडल पर लगाते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। जिसके बाद मामला बढ़ता जा रहा है। पुलिस इस मामले में उच्चाधिकारियों से राय ले रही है। देवरिया शहर के रामलीला मैदान में चलने वाले एसएस माल व ईजी मार्ट में धर्मांतरण को लेकर केस दर्ज हुआ है। इस मामले में एसएस माल मालिक उस्मान गनी, उसका भाई इसराफिल, साले गौहर अली को पुलिस जेल भेज चुकी है। जबकि उस्मान की पत्नी तरन्नूम अभी भी फरार चल रही है। 25 सितंबर को देवरिया सपा का प्रतिनिधिमंडल आया और उस्मान के परिजनों से मुलाकात की। नेतृत्व कर रहे एमएलसी लाल बहादुर यादव ने बयान भी दिया। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। आरोप लगाया है कि गुरुवार को उस्मान गनी व उसके परिजनों से मिलने के लिए सपा का प्रतिनिधि मंडल आया, जिसमें विधान परिषद में प्रतिपक्ष के नेता लाल बिहारी यादव, पूर्व विधायक गजाला लारी, सपा प्रवक्ता मनीष सिंह, सांसद सलेमपुर रमाशंकर विद्यार्थी, सुल्तानपुर के सांसद रामभुआल निषाद, परेवज आलम समेत 20 से अधिक सपा नेता आए। परिवार से मिलने के बाद प्रेस कांफ्रेंस कर मेरे उपर गलत आरोप व चारित्रिक हनन किए। बिना किसी जानकारी के 10 लाख रुपये चोरी का आरोप लगाया गया और किसी अन्य दो लोगों से अवैध संबंध का नाम लेते हुए बताया गया। साथ ही आए दिन मुझ पर मुकदमा वापस लेने का दबाव भी बनाया जा रहा है। मैं अमर्यादित टिप्पणी व झूठे चोरी के इल्जाम से काफी दुखी व मर्माहत हूं। समाज के अनैतिक प्रश्नों से काफी टूट चुकी हूं। ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। पीड़िता बोली, जब से खाता खुला है, सवा दो लाख का ट्रांजेक्शन पीड़िता ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। उसके पूरे परिवार का खाता जांच कर लिया जाए तो दस लाख रुपये का ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है। संबंधित युवक के खाते से 18 हजार रुपये केवल मेरे खाते में आया है। उसमें से साढ़े सात हजार रुपये मैं नगद वापस कर दी हूं।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस के खिलाफ मुख्यमंत्री को पत्र बच्चों ने भगत सिंह जयंती को 'शिक्षा क्रांति' के रूप में मनाया

संवाददाता–गोण्डा। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं ने शहीद–ए–आजम भगत सिंह की जयंती की पूर्व संध्या को शशिक्षा क्रांतिश के रूप में मनाया। इस अवसर पर शहीद–ए–आजम भगत सिंह इंटर कॉलेज में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यकर्ताओं ने कॉलेज के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से मुख्यमंत्री को पत्र लिखवाए हैं।

यह पहल निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस, ड्रेस और किताबों के नाम पर की जा रही अवैध धन उगाही के खिलाफ राष्ट्रीय छात्र पंचायत के महीनों से चल रहे आंदोलन का हिस्सा है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय लगातार फीस रेगुलेशन बिल लाए जाने की मांग कर रहे हैं।

जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ला ने बताया कि उनका संगठन लंबे समय से इस अवैध वसूली के खिलाफ संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा, ष्हमने भगत सिंह जी की जयंती को शिक्षा की क्रांति के रूप में मनाया है। हमारी मांग है कि उत्तर प्रदेश में निजी स्कूलों के संबंध में एक ठोस कानून बनाया जाए ताकि सभी को समान रूप से शिक्षा मिल सके।

जिला महामंत्री आलोक गुप्ता ने कहा कि भगत सिंह ने देश की आजादी के लिए फांसी का फंदा चुना था, और आज हमें उनके जन्म दिवस पर निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अवैध धन उगाही के खिलाफ लड़ने की आवश्यकता है। फीस रेगुलेशन बिल्कुल लेकर लगातार गांव–गांव जाकर के भी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा सरकार को पत्र लिखाया जा रहा है।

राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं द्वारा लिखे गए इन पत्रों को जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा। इन पत्रों के माध्यम से शिक्षा के निजीकरण और मनमानी फीस पर रोक लगाने की मांग की जाएगी। यह कार्यक्रम शिक्षा के अधिकार और समानता पर बल देने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है।

सम्मान निधि, कृषि योजनाओं के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य –जिलाधिकारी

संवाददाता–देवरिया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) की 21वीं किस्त और कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ अब केवल उन्हीं किसानों को मिलेगा जिन्होंने फार्मर रजिस्ट्री (किसान पंजीकरण) पूरा कर लिया है। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बताया कि सरकार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों तक पहुंचाना है। किसानों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन 29 सितंबर से 10 अक्टूबर तक एक विशेष पंजीकरण अभियान चला रहा है। इस दौरान जिले के सभी ब्लॉक और तहसील मुख्यालयों पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में किसानों का पंजीकरण निःशुल्क होगा और ऑनलाइन प्रक्रिया मौके पर ही पूरी की जाएगी। पंजीकरण के लिए किसानों को कुछ आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। इनमें आधार कार्ड, मोबाइल फोन और अपनी खतौनी (भूमि अभिलेख) शामिल हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर किसानों का सत्यापन किया जाएगा और उनकी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने सभी किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर कैंप में पहुंचकर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं। उन्होंने विशेष रूप से गरीब, भूमिहीन और असहाय किसानों से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया ताकि वे सरकारी योजनाओं से जुड़ सकें। डीएम ने ग्राम प्रधानों और सचिवों को भी जिम्मेदारी सौंपी है कि वे अपने गांवों के पात्र किसानों को जागरूक करें और उन्हें पंजीकरण कैंप तक पहुंचने में मदद करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई किसान इस प्रक्रिया से वंचित रह जाता है, तो उसे भविष्य में न तो किसान सम्मान निधि की किस्त मिलेगी और न ही अन्य कृषि योजनाओं का लाभ मिल पाएगा।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सूर्य प्रताप सिंह पुत्र स्व0 परमेश्वरनाथ सिंह निवासी ग्राम बभनियांव परगना मंगलसी, तहसील सोहावल, थाना रौनाही, जिला–अयोध्या (उ0प्र0) का निवासी है। प्रार्थी के दादी श्रीमती झबरा सिंह वेवा कामता सिंह निवासी बभनियांव, थाना रौनाही की मृत्यु दिनांक 03.05.1955 को हो गयी है। जिसका प्रमाण पत्र प्रार्थी के पास मौजूद नही है जिससे कि प्रार्थी को सरकारी योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है। जिसके बावत प्रार्थी को मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाये।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान उपसंचालक चकबन्दी अधिकारी महोदय जिला–अयोध्या

निगरानी सं. 2672

धारा–48(1) उ0प्र0 जो0च0अधि0

ग्राम–सवरधीर परगना पश्चिमराठ तहसील बीकापुर जिला–अयोध्या

मोहम्मद रसूल आदि

बनाम

मोहम्मद असलम आदि

बनाम–1– मोहम्मद असलम 2. मोहम्मद अकरम पुत्रगण अहमद निवासीगण–रानी बाजार परगना हवेली अवध तहसील सोहावल जिला–अयोध्या 3. उ0प्र0 सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या

तारीख पेशी 03–10–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 10 के 03 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2025 के माह 09 के 24 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

बंदूक, लाठी–डंडों से लैस अराजक तत्वों ने पूजा पंडाल में मचाया उत्पात

संवाददाता–अंबेडकरनगर। भीटी के दुर्गापूजा पंडाल में शुक्रवार रात बंदूक व लाठी–डंडों से लैस कार और बाइक सवार अराजकतत्वों ने जमकर उत्पात किया। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से बंदूक, कारतूस, बेल्ट, कार कब्जे में ले लिया। पुलिस ने पांच नामजद व अन्य अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चार की तलाश पुलिस कर रही है। स्थिति को देखते हुए सीओ ने सुरक्षा के लिए पंडाल पर पुलिस कर्मियों की तैनाती की है। सीओ तथा थानाध्यक्ष पूरी रात भ्रमणशील रहकर जायजा लेते रहे। महरुआ के करौना गांव के दुर्गा पूजा पंडाल में शुक्रवार की रात नौ बजे आरती चल रही थी। इसी दौरान बेवाना के हैबतपुर ज्ञानपुर गांव के अंकित वर्मा अपने तीन–चार साथियों के साथ बाइक से पहुंचे। बाइक की लाइट आरती में शामिल महिलाओं की तरफ करते हुए, हार्न बजाकर व एक्सीलेटर तेज कर अभद्रता करने लगे। ग्रामीणों ने विरोध किया तो हाथापाई शुरू हो गई। इस दौरान ग्रामीण ने अराजकतत्वों की पिटाई कर दी।

वहां से बड़ी संख्या में लोग लाइसेंसी बंदूक, कारतूस, लाठी–डंडा, हाकी आदि से लैस बाइक व कार से पंडाल में पहुंच गए। ग्रामीणों को ललकारते हुए दौड़ाकर मारना शुरू कर दिया। गांव के सदानंद, राहुल व वीर सिंह समेत छह–सात लोगों को हल्की चोट आई हैं। थानाध्यक्ष यादवेंद्र सोनकर ने बताया कि आरोपितों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। गांवों में फैली ड्रोन की अफवाह के मद्देनजर गुहार पर आसपास कई गांवों के लोग पहुंच गए और चोर समझकर हमलावरों को घेर लिया। खुद को घिरता देख हमलावर वाहन छोड़ पैदल भागने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ग्रामीणों की मदद से नाकेबंदी कर हमलावरों को पकड़ लिया। कुछ लोग अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों के रास्ते भागने में सफल रहे।

पुलिस ने बेवाना के ज्ञानपुर गांव के उमाशंकर वर्मा, उमेश वर्मा, अजीत वर्मा, जयराम वर्मा, सुमित वर्मा, शिवम सिंह, सूरज निषाद, प्रदीप निषाद व दीपक, सुल्तानपुर खुर्द के कृष्णा यादव, उदयनगर के प्रिंस यादव, मथानी के श्रवण वर्मा और सुलतानपुर जिले के दोस्तपुर के बेथरा गांव के प्रमोद निषाद को गिरफ्तार किया है।

सीओ भीटी, लक्ष्मीकांत मिश्र ने बताया कि दुर्गापूजा पंडाल में अभद्रता की सूचना पर पुलिस ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। बंदूक, कारतूस, कार कब्जे में है। लाइसेंसी बंदूक उमाशंकर वर्मा के नाम है। लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। सुरक्षा के लिए पंडाल पर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

राज्य महिला आयोग सदस्य ने सीएचसी का किया निरीक्षण, मरीजों–तीमारदारों से लिया फीडबैक

संवाददाता–संतकबीरनगर। सेमरियावां में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य जनक नंदिनी ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर, महिला वार्ड, प्रसूति कक्ष, दवाओं की उपलब्धता और साफ–सफाई का बारीकी से मुआयना किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधा संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया। उन्होंने मरीजों को दवा, इलाज और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रसूता महिलाओं और अन्य मरीजों को समय पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान जनक नंदिनी ने अस्पताल में आये मरीजो और उनके तीमारदारों को फल वितरित किया उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिला स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल कर्मियों को महिला सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया।

निरीक्षण के समय डॉ. जावेद अख्तर अंसारी, डॉ. हिमांशु चौधरी, डॉ. तौहीद अहमद, डॉ.ज्योति यादव, फार्मासिस्ट अखिलेश श्रीवास्तव, बीपीएम राजेश पाण्डेय, आईओ कौसर खान और एआरओ धीरेन्द्र यादव, संजीव कुमार त्रिपाठी, आशीष कुमार सहित कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

एमपी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष व पूर्व कुलपति प्रो यूपी सिंह का निधन, सीएम योगी ने जताया शोक

संवाददाता–गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह (यूपी सिंह) का शनिवार सुबह निधन हो गया। 92 वर्षीय प्रो. सिंह पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे।

अध्यापन कार्य में आने के बाद से ही उनका पूरा जीवन गोरक्षपीठ और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को समर्पित रहा। प्रो. सिंह अपने पीछे दो पुत्रों दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके सिंह और यूपी कॉलेज के आचार्य प्रो. राजीव कृष्ण सिंह का परिवार छोड़ गए हैं। मूल रूप से गाजीपुर जिले के निवासी प्रो. यूपी सिंह उन विरले लोगों में शामिल रहे जिन्हें गोरक्षपीठ के लगातार तीन पीठाधीश्वरों के सानिध्य में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। गणित विषय के विद्वान रहे स्वर्गीय सिंह की बतौर शिक्षक पहली नियुक्ति गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ ने एमपी शिक्षा परिषद के महाराणा प्रताप महाविद्यालय में की थी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए तत्कालीन पीठाधीश्वर ने यह महाविद्यालय दान में दे दिया तब यूपी सिंह विश्वविद्यालय में गणित के शिक्षक हो गए। अपने शैक्षिक सेवा यात्रा में उन्होंने बाद में पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलपति के रूप में भी सेवाएं दीं।

महंत दिग्विजयनाथ के स्मृतिशेष होने के बाद प्रो. यूपी सिंह ने गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ के मार्गदर्शन में एमपी शिक्षा परिषद की सेवा की। उनकी सेवा साधना का यह अनुष्ठान वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में आजीवन जारी रहा। प्रो. यूपी सिंह को विद्वता, कर्मठता के साथ उनके सांगठनिक कौशल के लिए भी याद किया जाएगा। वह डॉ. भोलेन्द्र सिंह के बाद वर्ष 2018 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष बनाए गए और अंतिम सांस लेने तक इस पद पर बने रहे।

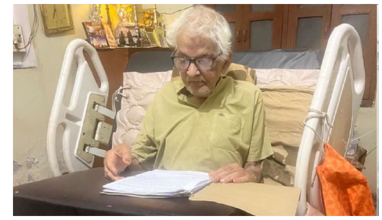

पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ होने के बावजूद वह शिक्षा परिषद के कार्य दायित्व के निष्पादन और अध्ययन में व्यस्त रहते थे।

शिक्षा परिषद द्वारा 2021 में जब महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की स्थापना की गई तो उन्हें इसका प्रति कुलाधिपति बनाया गया। प्रो. यूपी सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक और विद्या भारती में भी विविध पद दायित्वों का सकुशल निर्वहन किया।

प्रो. यूपी सिंह का अंतिम संस्कार रविवार (28 सितंबर) को पावन राप्ती नदी के राजघाट पर दिन में 12 बजे से होगा। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रो सिंह को अंतिम विदाई देने के लिए उपस्थित रहेंगे।

गुमशुदा तीन बच्चे 4 घंटे में बरामद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले की शिवनगर डिड़ई पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए गुमशुदा हुए तीन बच्चों को मात्र चार घंटे में सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया। इस त्वरित कार्रवाई से परिवार की आंखों में आंसू आ गए और गांव में राहत का माहौल बन गया। कोटिया गड़ौरी गांव निवासी शिवानंद तिवारी के तीन बच्चे दृ प्रतिमा तिवारी, आयुष तिवारी और आर्यन तिवारी अचानक लापता हो गए थे। बच्चों के गायब होने से परिवार में हड़कंप मच गया। घबराए परिजनों ने तत्काल थाना शिवनगर डिड़ई में सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम हरकत में आ गई। टीम ने इलाके में गहन तलाश अभियान शुरू किया। आरक्षी शनि यादव और आरक्षी जयसिंह चौहान भी इस अभियान में शामिल रहे। लगातार खोजबीन के बाद पुलिस ने मात्र चार घंटे के भीतर तीनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस ने बच्चों को उनकी मां शशि तिवारी को सौंप दिया। अपने बच्चों को सुरक्षित घर लौटते देख परिजनों की आंखें भर आईं और उन्होंने पुलिस टीम को धन्यवाद दिया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस तेजी और सजगता की सराहना की। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षित वापसी ने परिवार के साथ–साथ पूरे गांव को सुकून दिया है और आमजन का पुलिस पर भरोसा और मजबूत हुआ है।

सिद्धार्थनगर में विश्वविद्यालय–प्रशासन के बीच एमओयू जिले के सामाजिक, आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु और जिला प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. और विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार दीनानाथ यादव ने कुलपति प्रो. कविता शाह तथा मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. कविता शाह, जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने माँ सरस्वती और गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अतिथियों का बुके और पौधों से स्वागत किया गया। प्रो. सौरभ ने स्वागत भाषण दिया।

कुलपति प्रो. कविता शाह ने इस एमओयू को नवरात्रि के शुभ अवसर पर संपन्न होने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थनगर जल्द ही इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में शामिल होगा। प्रो. शाह ने कहा कि जिलाधिकारी की कृषि और चिकित्सा क्षेत्र में गहरी समझ जनपद के विकास में

महत्वपूर्ण योगदान देगी, और विश्वविद्यालय जिले के विकास में पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि सिद्धार्थनगर शीघ्र ही आकांक्षी जनपद की श्रेणी से उभरकर अग्रणी जनपद बनेगा।

जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने बताया कि यह एमओयू कृषि और उद्योग क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा। उन्होंने जानकारी दी कि सिद्धार्थनगर के काला नमक चावल को सरकार की ओडीओपी योजना में शामिल किया गया है, और 10 अन्य जिलों को भी इसके लिए भौगोलिक टैग मिला है। वर्तमान में 18,000 हेक्टेयर में काला नमक चावल की खेती हो रही है।

जिलाधिकारी ने आगे बताया कि शीघ्र ही सीड क्वालिटी टेस्टिंग सेंटर स्थापित किया जाएगा। सागरों की डीसिल्टिंग और काला नमक चावल के भंडारण हेतु वेयरहाउस निर्माण के प्रस्ताव शासन को भेजे जा चुके हैं। उन्होंने 8 और 9 नवंबर 2025 को द्वितीय क्रेता–विक्रेता सम्मेलन के आयोजन की भी घोषणा की। इसके अतिरिक्त, नगर पंचायत बिस्कोहर में 365 कुओं और 365 शिव मंदिरों के सौंदर्यीकरण हेतु शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी मु. मुजम्मिल, उपायुक्त उद्योग उदय प्रकाश, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सड़क बदहाली पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर ब्लॉक स्थित भेड़ौरा पिकौरा ग्राम पंचायत के पाल पुरवा निषाद टोला में ग्रामीणों ने सड़क की बदहाली को लेकर शनिवार को प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले 15 वर्षों से इस सड़क की मरम्मत नहीं हुई है।

प्रदर्शनकारियों के अनुसार, लगभग 15 वर्ष पूर्व इस सड़क पर खड़ंजा लगाया गया था, जिसके बाद से इसकी कोई मरम्मत नहीं हुई है। बरसात के मौसम में यह रास्ता कीचड़ से भर जाता है, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि किसी भी जनप्रतिनिधि या अधिकारी ने उनकी इस समस्या पर अब तक ध्यान नहीं दिया है। प्रदर्शन में हरिश्चंद्र, घनश्याम, मनोज, राम सेवक, चानमती, मीरा देवी, सुनीता, मंजू और यशोमती सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

इस संबंध में विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) उमेश कुमार ओझा ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में कार्यभार संभाला है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जल्द ही जांच पड़ताल की जाएगी।

छात्रों ने निकाली स्वच्छता रैली, महुली में स्वच्छता पखवाड़े के तहत जागरूकता फैलाई

संवाददाता–संतकबीरनगर। स्वच्छता पखवाड़े के तहत शनिवार को आर.पी. यादव इंटरनेशनल एकेडमी, महुली से स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यालय के एमडी कृष्णचंद्र उर्फ केसी यादव ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रैली विभिन्न स्थानों से गुजरी, जहां बच्चों ने साफ–सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। रैली दक्षिण चौराहे से बाजार, टैक्सी स्टैंड तिराहा, थाना तिराहा और ब्राह्मण टोला होते हुए विद्यालय वापस पहुंची। छात्रों ने हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर की भी सफाई की।

विद्यालय में एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इसमें एमडी कृष्णचंद्र उर्फ केसी यादव ने कहा कि स्वच्छता केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली शर्त है। उन्होंने छात्रों से समाज को इस दिशा में जागरूक करने में सहयोग करने का आह्वान किया।

प्रधानाचार्य राजकुमार और वरिष्ठ शिक्षक कमल नारायण द्विवेदी व विद्या चरण ने संयुक्त रूप से बताया कि गंदगी बीमारियों को बढ़ावा देती है, इसलिए स्वस्थ रहने के लिए सफाई आवश्यक है। उन्होंने बच्चों से मिली सीख को अपने परिवार और पड़ोसियों तक पहुंचाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर वाइस प्रधानाचार्य आर.के. मेनन, अजय गुप्ता, रमन यादव, अनिल यादव, अमित यादव, जी.एस. यादव, रामजी मिश्र, कमल नारायण द्विवेदी, श्याम चंद्र, विद्याचरण यादव, राममगन, राम सवारे, अमन शर्मा, घुरहू यादव, मनोज और राम अवतार सहित कई शिक्षक व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–963/1994
विनोद कुमार
बनाम
आद्या प्रसाद
1. संजय पुत्र सहदेव ग्राम भादी बुजुर्ग तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–731/2002
सुनील कुमार आदि
बनाम
गनेश आदि
1/1 रामबेचन उम्र लगभग 50 वर्ष 1/2 रामदरश उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्रगण स्व0 गनेश निवासीगण ग्राम खीरीघाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1281/2019
श्रीमती चन्द्रावती
बनाम
सन्तोष कुमार आदि
1. सन्तोष कुमार पुत्र निपेन्द्र बहादुर पाल 2. सत्यब्रत त्रिपाठी पुत्र शोभानाथ 3. श्रीमती शारदा पत्नी शोभानाथ 4. हरेकृष्ण पुत्र सीताराम साकिनान मौजा पिकौरा शिवगुलाम तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–159/2025
श्रीमती मन्जू देवी
बनाम
सन्तराम आदि
1. सन्तराम 2. पंचराम 3. हंसराज 4. मनीराम 5. मंशाराम पुत्रगण स्व0 रामउग्रह 6. श्रीमती अशरफा देवी पत्नी स्व0 रामउग्रह साकिनान मौजा ठुकठुईया तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
7. जगराम 8. आज्ञाराम 9. सुखराम 10. सुद्धिराम पुत्रगण स्व0 महादेव 11. सावितरा पत्नी स्व0 सहदू 12. खुशबू 13. अंशिका नावालिग पुत्रीगण संरक्षिका सावितरा माता स्वयं 14. शिव प्रसाद पुत्र स्व0 दुःखी 15. श्याम बिहारी पुत्र स्व0 द्वारिका 16. राम प्रकाश 17. मंगल प्रकाश 18. ओमकार 19. प्रेमचन्द्र 20. श्रवण कुमार पुत्रगण स्व0 रामअचल 21. सुमित्रा देवी पत्नी स्व0 सहदेव 22. सियाराम 23. जगजीवन 24. बीरे 25. नाथे पुत्रगण स्व0 सहदेव साकिनान मौजा ठुकठुईया तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 26. रामअभिलाख पुत्र कन्हैया 26. रामअवध पुत्रगण स्व0 मंगरू निवासीगण मौजा कुरमौर तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 07–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–957/2023
गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
बनाम
सतीश चन्द्र श्रीवास्तव आदि
1. सतीश चन्द्र श्रीवास्तव पुत्र कृष्ण चन्द्र श्रीवास्तव उम्र लगभग 40 वर्ष साकिनान बभनगांवा (मुन्ना लाल ठाकुर द्वारा) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. शालिनी पुत्री कृष्ण चन्द्र श्रीवास्तव उम्र लगभग 38 वर्ष साकिन नरियांव तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–62/2007
अष्टभुजा प्रसाद
बनाम
ज्वाला प्रसाद आदि
1/1 राम प्रसाद 1/2 उमा प्रसाद पुत्रगण स्व0 अष्टभुजा प्रसाद 1/3 श्रीमती विन्जनपती 1/4 श्रीमती साधना पुत्रीगण स्व0 अष्टभुजा प्रसाद निवासीगण ग्राम पकड़ी जप्ती तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–09–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 29 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–371/2023
जबीउल्लाह आदि
बनाम
शकील आदि
1. शकील 2. अकील 3. रहीस पुत्रगण शकीर निवासीगण मौजा सोनवरसा तप्पा कनैला परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 04–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुअ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com